आर.एन.आई.नं. RAJBIL/2010/52404

शान्ताकारं भुजगशयनं पद्मनाभं सुरेशं, विश्वाधारं गगनसदृशं मेघवर्णं शुभाङ्गम् ।
लक्ष्मीकान्तं कमलनयनं योगिभिर्ध्यानगम्य, वन्दे विष्णुं भवभयहरं सर्वलोकैकनाथम् ॥

सेवा सौभाग्य

मूल्य » 5 वर्ष » 12 अंक » 143 मुद्रण तारीख » नवम्बर 2023 कुल पृष्ठ » 24

जिद, जुनून और जज्बे ने चौंकाया

राष्ट्रीय दिव्यांग क्रिकेट चैंपियनशिप

दिव्यांग एवं निर्धन सामूहिक विवाह समारोह

दिनांक : 10-11 फरवरी, 2024
स्थान : गायत्री विहार सागर, गेट नं. 4,
पैलेस ग्राउंड्स, मेखरी सर्कल के पास,
बैंगलोर, कर्नाटक 560080

दिव्यांग एवं निर्धन कन्याओं के बनें धर्म माता-पिता

कन्यादान (एक दिव्यांग कन्या)
₹ 1,00,000

मायरा सहयोग
₹ 51,000

पाणिग्रहण संस्कार (प्रति जोड़ा)
₹ 21,000

भोजन सहयोग
₹ 11,000

मेहंदी और हल्दी रस्म (प्रति जोड़ा)
₹ 5,100

Bank Name	:	State Bank of India
Account Name	:	Narayan Seva Sansthan
Account Number	:	31505501196
IFSC Code	:	SBIN0011406
Branch	:	Hiran Magri, Sector No.4, Udaipur-313001

Donate via UPI

Google Pay PhonePe Paytm

narayanseva@sbi

अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालय: 483, 'सेवाधाम' सेवा नगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर (राज.) 313002, भारत

+91 294 662 2222 | +91 7023509999

मूल्य » 5 वर्ष » 12 अंक » 143 मुद्रण तारीख » नवम्बर 2023 कुल पृष्ठ » 24

NARAYAN SEVA SANSTHAN
Nar Seva Narayan Seva

सेवा सौभाग्य

Sewa Parmo Dharm
MAKE GIVING YOUR HABIT

अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालयः 483, 'सेवाधाम' सेवा नगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर (राज.) 313002, भारत
» फोन नं. +91-294-6622222, वाट्सऐपः +91-7023509999

इस माह सेवा अंक

दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

सम्पादक मंडलः मार्ग दर्शक » कैलाश चन्द्र अग्रवाल, सम्पादक » प्रशान्त अग्रवाल
सहयोग » विष्णु शर्मा हितैषी-भगवान प्रसाद गौड़, डिजाइनर » विरेन्द्र सिंह राठौड़

Seva Soubhagya Print Date 1 November, 2023 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 24 (No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-

उदास देहरी पर दीप खुशी का

प्रकाश को अपनाकर ही कोई मनुष्य मन मंदिर में बिराजे आत्मदेव का सौभाग्य हासिल कर सकता है। दीपक प्रतीक है- सेवा का, उत्थान का, आत्मबल बढ़ाने व मुश्किलों से लड़ने का। दीपक की लौ जिस प्रकार ऊपर की ओर ही उठती है, उसी प्रकार हमें भी सद्कर्मो से अपने व्यक्तित्व को ऊपर उठाना होगा।

दीपावली खुशी का त्योहार है, इसे हर्षोल्लास से मनाया जाता है। अंधेरे से निकलकर प्रकाश की ओर अग्रसर होना ही इसका प्रेरक संदेश है। इस त्योहार से पूर्व हम घर और आसपास परिवेश को स्वच्छ करते हैं। अमावस्या की रात घने अंधेरे से लड़कर मिट्टी के नन्हें दीप उसे आलोकित कर देते हैं। यही वह दिवस है, जब मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम लंकेश रावण पर विजय प्राप्त कर पुनः अयोध्या लौटे थे। अंधकार पर प्रकाश और बुराई पर अच्छाई के विजय का प्रतीक यह पर्व हमें संदेश दे रहा है कि मन के कलुष को हटाएं, उसे आलोकित करें। भीतर की तमाम गांठों को खोलकर समाज में स्नेह, सहयोग और सद्भाव का वातावरण बनाएं। क्योंकि अन्तरमन के दीप को भी यदि राग-द्वेष के झोंके से बचाया न गया तो मानवता ही संकट में पड़ जाएगी। स्वयं प्रकाशवान रहकर दूसरों को भी प्रकाश देना यही है दीप धर्म। प्रकाश को अपनाकर ही कोई मनुष्य मन मंदिर में बिराजे आत्मदेव का सौभाग्य हासिल कर सकता है। दीपक प्रतीक है- सेवा का, उत्थान का, आत्मबल बढ़ाने व मुश्किलों से लड़ने का। दीपक की लौ जिस प्रकार ऊपर की ओर ही उठती है, उसी प्रकार हमें भी सद्कर्मो से अपने व्यक्तित्व को ऊपर उठाना होगा। इसके लिए हर उस जीव की मदद के लिए हाथ बढ़ाना होगा, जो कातर दृष्टि से पुकार रहा है। आपका अपना यह संस्थान प्रतिवर्ष दीपावली पर उन क्षेत्रों और घरों तक पंहुचता है, जो इस त्योहार में भी निर्धनता, बीमारी अथवा अन्य किसी कारण वश उदासी व अंधेरे की चादर में लिपटे रहते हैं। इनकी उदास देहरी पर खुशी का दीप संजोया जाता है। इन घरों के बच्चों तक नए वस्त्र, मिठाई, फुलझड़ियां, दीपक-बाती, तेल मुहैया कराया जाता है। राशन पहुंचाया जाता है और चिकित्सा अथवा अन्य किसी भी प्रकार की सहायता कि आवश्यकता है तो उसका भी तत्काल प्रबंध होता है। यह सब प्रभु की कृपा और आपके आशीर्वाद से ही संभव हो पाता है। आप श्रीमान भी अपने क्षेत्र में संस्थान के माध्यम से गरीब की झोपड़ी को उजास और खुशियों से भरने की इस मुहिम में सहभागी बनकर पुण्यार्जन करें। संस्थान में देश के विभिन्न भागों से जो निःशक्तजन निःशुल्क ऑपरेशन, कृत्रिम अंग अथवा प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए आते हैं, उन्हें भी इस त्योहार पर अपने घर से दूर रहने का अहसास न हो, अतएव उनके साथ इस त्योहार को परम्परागत तरीके से मनाया जाता है और उपहार भी प्रदान किए जाते हैं। दीप पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं। प्रणाम।

- सेवक प्रशांत भैया

'दान' में जीवन की सार्थकता

पूज्य श्री कैलाश 'मानव'

दान को जीवन में एक जरूरी और श्रेष्ठ कार्य कहा गया है। अथर्ववेद कहता है – 'शत हस्त समाहार, सहस्त्र हस्त किरं' अर्थात् सैकड़ों हाथों से कमाओ और हजारों हाथों से बांट दो। व्यक्ति का माया के बंधन से मुक्त रहना ही उसके जीवन को सार्थक करेगा।

एक बार यक्ष ने धर्मराज युधिष्ठिर से प्रश्न किया कि – 'मृत्यु के समय मनुष्य का सब कुछ पृथ्वी लोक पर ही छूट जाता है, सगे-संम्बधी, मित्र, सम्पत्ति कोई भी तो उसके साथ नहीं जा पाते, तब कौन उसका साथ देता है? 'युधिष्ठिर बोले – 'ऐसे व्यक्ति का मित्र उसका वह 'दान' है, जो उसने अपने जीवनकाल में दिया।' यक्ष का अगला प्रश्न था, – 'श्रेष्ठ दान क्या है?' उत्तर था, – 'जो एक सच्चे मित्र की भांति जीवन संवारने में सहायक बने।' फिर युधिष्ठिर से प्रश्न हुआ – 'दान किसे दिया जाए? 'उत्तर था, –'सुपात्र को 'दान' देना उत्तम है। जो उसे परोपकार के श्रेष्ठ कार्य में लगा सके, सुपात्र को दिया 'दान' ही श्रेष्ठ और पुण्य फलदायी होता है। बंधुओं! 'दान' जीवन में एक आवश्यक करणीय कार्य बताया गया है। अथर्ववेद में कहा गया है कि – 'सैकड़ों हाथों से कमाओ और जरूरतमंदों के हितार्थ हजारों हाथों से खर्च करो। अपनी कमाई का उचित अंश दूसरों की भलाई में खर्च करने वाला ही श्रेष्ठ और सज्जन पुरूष कहलाता है। कबिरदास जी ने कहा है कि अपनी कमाई की शुद्धि के लिए दान देना आवश्यक है। जीवन में केवल धन संग्रह करते रहना, ठीक वैसा ही है, जैसे नाव में पानी भरते जाना और अन्ततः उसका परिणाम क्या होगा, सभी जानते हैं। स्वामी रामतीर्थ ने तो 'दान' को आमदनी का एक मात्र द्वार बताया। जहां देने की वृत्ति या परम्परा नहीं होती वहां 'आमद' की संभावनाएं भी कम हो जाती हैं। दान व्यावहारिक जीवन में एक ऐसी प्रक्रिया अथवा पद्धति है, जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने में अध्यात्मिक, मानसिक ऊर्जा तथा चारित्रिक गुणों का विकास स्वतः करने लगता है। दान से मिलने वाली प्रसन्नता और सन्तोष अत्यन्त महत्वपूर्ण है। यदि कुंए से पानी खेतों में खड़ी फसल और प्यासे कंठ तक न पहुंचाया तो वह भरा तो रहेगा, लेकिन उसके स्त्रोत स्वतः दूसरी ओर रूख कर लेंगे। एक दिन वह सूख जाएगा। अतएव सामर्थ्य के अनुसार सुपात्र को दान जरूर करें।

दूसरों को प्रकाश देना ही दीपधर्म

उपनिषद्‌ों में कहा गया है कि-'आत्म दीपोभव्' अर्थात् हम अपने अन्तःकरण में ज्ञान की ज्योति जलाने में समर्थ हो जाएं। एक ओर बात जो दीपावली पर महत्वपूर्ण है, पर्यावरण में दिव्यता व समृद्धि की धारा का प्रवाह करना।

दीपावली भारतीय संस्कृति में पर्वों का बड़ा महत्व है, उनका उद्देश्य केवल धूम-धड़ाका या बाह्य आनंद और प्रदर्शन मात्र नहीं है। हर पर्व किसी महान लक्ष्य के संकेत के साथ उसकी प्राप्ति का महांसदेश देता है। कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष में मनाया जाने वाला दीपावली का त्योहार पांच पर्वों का समूह है। जिसका आरंभ कार्तिक कृष्णा त्रयोदशी धन तेरस से होता है। इस पर्व का मुख्य संदेश है- 'तमसो मा ज्योतिर्गमय'। यह पर्व हमे स्वयं प्रकाशवान अर्थात् जागृत होते हुए आसपास के परिवेश को भी जागृत करने का संदेश देता है। इसीलिए उपनिषद्‌ों में कहा गया है कि -'आत्म दीपोभव्' अर्थात् हम अपने अन्तःकरण में ज्ञान की ज्योति जलाने में समर्थ हो जाएं। एक ओर बात जो दीपावली पर महत्वपूर्ण है, पर्यावरण में दिव्यता व समृद्धि की धारा का प्रवाह करना। इसके पीछे तथ्य यह है कि वर्षा काल के चातुर्मास के समय में जब प्रकृति जलीय तत्वों से अभिभूत होकर अनेक प्रकार के कीटादि को उत्पन्न करती है, उनसे मानवीय जीवन के लिए असहनीय यातना के क्षण भी सृजित हो जाते हैं। तब शक्ति की उपासना का पर्व 'नवरात्रि' आरंभ होता है, और घरों व आसपास स्वच्छता का एक क्रम चल पड़ता है। दीपावली पर्व वनवास की समाप्ति और अनाचार के प्रतीक लंकापति रावण को पराजित कर श्रीराम के पुनः गृहप्रांत अयोध्या लौटने और नागरिकों द्वारा दीपमालिकाओं से उनके स्वागत का प्रसंग भी जुड़ा है। भारत की प्राचीन सभ्यता मोहनजोदड़ो-हड़प्पा की संस्कृति के अवशेषों में भी दीप प्रज्जवलन परम्परा का उल्लेख और प्रमाण मिलते हैं। ईसा पूर्व चौथी सदी में 'कौटिल्य अर्थशास्त्र' में भी मंदिरों और घाटों पर कार्तिक अमावस्या पर दीप जलाने का वर्णन है। यह पर्व इसलिए भी खास है कि जैन धर्म के २४वे तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी को कार्तिक अमावस्या के दिन ही पावापुरी में मोक्ष की प्राप्ति हुई। भगवान गौतम बुद्ध के अनुयायियों ने 2500 वर्ष पूर्व उनके स्वागत में इसी दिन अपने स्तूपों पर असंख्य दीप जलाए थे। सिखों के चौथे गुरू रामदास ने 16वी सदी में स्वर्णमंदिर की नींव कार्तिक अमावस्या के दिन ही रखी थी। आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानंद सरस्वती ने दीपावली (30 अक्टूबर 1881) के दिन ही देह त्याग कर निर्वाण प्राप्ति की। कुल मिलाकर दीपावली विभिन्न धर्मों का प्रेरणास्पद त्योहार है।

सन्नी बनेगा वृद्ध माँ-बाप का सहारा

बिहार के जफरपुर निवासी सन्नी कुमार वृद्ध माता-पिता का सहारा बनने का संकल्प लेकर मुंबई गया था। जहां उसने होटल मैनेजमेंट का कोर्स शुरू किया। सब कुछ ठीक चल रहा था कि एक ट्रेन हादसे ने उसके दोनों पैर छीन लिए। यह बात करीब 8 वर्ष पूर्व की है। सन्नी मुंबई की लोकल ट्रेन से सफर करता था। एक दिन ट्रेन में चढ़ने के दौरान मची अफरा-तफरी में वह नीचे गिर पड़ा। ट्रेन के नीचे आने से दोनों पैर बुरी तरह से जख्मी हो गए। जख्म इतना भयानक था कि जान बचाने के लिए दोनों पैर काटने पड़े। सात साल तक सन्नी ने घिसटते हुए जीवन जीया। माँ-बाप का सहारा बनने की बजाय उनके सहारे जीने पर मजबूर हो गया। सालों बाद जब उसे संस्थान की जानकारी मिली तो वो कृत्रिम पैर लगवाने उदयपुर आया। संस्थान में जांच के बाद दोनों पैरों में निःशुल्क कृत्रिम अंग लगाए, और फिजियोथेरेपी दी गयी। उसके बाद सन्नी कृत्रिम पैरों पर चलने लगा। संस्थान में ही निःशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण प्राप्त कर आत्मनिर्भर बना। अब वो फिर से अपने माता-पिता का सहारा बनने के लिए तैयार है।

दायां हाथ खोया, बाएं से बनाएं 18 हजार रन

तीसरी नेशनल शारीरिक दिव्यांग टी-20 क्रिकेट चैंपियनशिप (28 सितम्बर - 8 अक्टूम्बर 2023) उदयपुर में भाग लेने वाले कर्नाटक, बेंगलुरू के दिव्यांग खिलाड़ी शिवा शंकरा (24) 8 साल से क्रिकेट खेल रहे हैं और जल्द ही इनके 19 हजार रन पूरे होने वाले हैं। करियर की शुरुआत टेनिस बॉल से की थी। कॉलेज में अपने दोस्तों को क्रिकेट खेलते देखा तो खुद को भी आजमाने की सोची। शुरुआत रणजी प्लेयर्स के साथ की। इसके बाद नेशनल खेला। नेशनल फिजिकल डिसएबिलिटी टी-20 क्रिकेट चैंपियनशिप में ये रेस्ट ऑफ इंडिया वर्सेस जम्मू-कश्मीर के मैच में टीम के कैप्टन रहे। 6 साल की उम्र में सड़क पार करते समय बस से टक्कर लगी तो दायां हाथ कट गया था। बीकॉम के बाद ये अभी आईटी कंपनी में सेवारत हैं।

15 बार राष्ट्रीय चैंपियन का खिताब दिव्यांग राउत के नाम

शारीरिक दिव्यांगता के साथ पैदा हुए गुरूदास राउत का जीवन बहुत ही चुनौतियों भरा रहा, लेकिन जीवन में कभी हार नहीं मानी। जन्म से ही उनका बाएं हाथ कोहनी तक हैं। लेकिन आज वे हर एक व्यक्ति के लिए प्रेरणा हैं। बचपन से ही क्रिकेट खेलने का शौक और जुनून रखने वाले राउत (30) हरफनमौला खिलाड़ी के रूप में भारत में ही नहीं विदेशों में भी अपनी पहचान बनाई। इंग्लैंड ने 2012 में चार मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए जब भारत का दौरा किया था, तब राउत को उस समय काफी ख्याति मिली, तब उन्होंने नागपुर के वीसीए जामथा स्टेडियम में नेट अभ्यास सत्र के दौरान सचिन तेंदुलकर को क्लीन बोल्ड कर दिया था। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। इंग्लैंड में होने वाले दिव्यांग क्रिकेट विश्व कप 2019 के लिए 16 सदस्यीय भारतीय क्रिकेट टीम में चुने गए। 2006 में महाराष्ट्र टीम के साथ क्रिकेट खेलना शुरू किया था, ये शारीरिक रूप से अक्षम भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रहे हैं। इनके नेतृत्व में टीम ने दक्षिण अफ्रीका, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका जैसी टीमों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया। इनके नेतृत्व में टीम 15 बार राष्ट्रीय चैंपियन और पांच बार जोनल चैंपियन रही है। राउत वर्तमान में भारतीय वायु सेना के नागपुर स्थित मुख्यालय की रखरखाव कमान में कार्यरत हैं। ऐसा ही जलवा तब देखने को मिला जब इन्होंने जी जान लगा कर अपनी टीम को थर्ड नेशनल फिजिकल डिसेबिलिटी टी-20 क्रिकेट चैंपियनशिप के सेमीफाइनल तक पहुंचाया।

जिद, जुनून और जज्बे ने चौंकाया

राष्ट्रीय दिव्यांग क्रिकेट चैंपियनशिप

जम्मू-कश्मीर का ट्रॉफी पर कब्जा बरकरार
मुंबई के खाते में उपविजेता का खिताब

नारायण सेवा संस्थान के तत्वावधान में थर्ड नेशनल फिजिकल डिसेबिलिटी टी - 20 क्रिकेट चैंपियनशिप 2023 का आयोजन 28 सितंबर से 8 अक्टूबर तक संपन्न हुआ। जिसे इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से देश भर के लोगों ने देखा व सराहा।

ग्यारह दिवसीय यह क्रिकेट महाकुम्भ राजस्थान रॉयल्स, डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट काउंसिल ऑफ इंडिया के सहयोग से संपन्न हुआ। जिसमें दिव्यांग खिलाड़ियों ने अपने जज्बे और जुनून से दर्शकों को दांतों तले उंगली दबाने के लिए मजबूर कर दिया। शहर के चार भव्य मैदानों पर रोजाना आठ मैच हुए। फिल्ड क्लब, एम.बी कॉलेज, भूपाल नोबेल्स कॉलेज एवं संस्थान के डबोक स्थित नारायण स्पोर्ट्स एकेडमी के मैदानों पर हुई, इन स्पर्धाओं में बड़ी संख्या में दर्शकों एवं मान्य अतिथियों ने पहुंचकर खिलाड़ियों की अफजाई की।

मुख्य समारोह फिल्ड क्लब मैदान पर गत विजेता जम्मू - कश्मीर व शेष भारत एकादश के बीच प्रदर्शन मैच से हुई। उद्घाटन संभागीय आयुक्त श्री राजेंद्र भट्ट ने किया। इस अवसर संस्थान संस्थापक श्री कैलाश जी मानव, सहधर्मिणी श्रीमती कमला देवी जी, फिजिकली चेलेंज्ड क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के

अध्यक्ष श्री सुरेंद्र लोहिया, उदयपुर क्रिकेट एसोसिएशन के उपाध्यक्ष यशवंत पालीवाल व अन्य गणमान्य अतिथि मौजूद थे। स्वागत संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया व डीसीसीआई के सचिव रविकांत चौहान ने व धन्यवाद ज्ञापन निदेशक वन्दना जी अग्रवाल ने किया। विभिन्न राज्यों से आई 24 टीमों के खिलाड़ियों ने अपने ध्वज के साथ मार्चपास्ट किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि पीएनबी के वरिष्ठ अधिकारी सुरेंद्र विश्वकर्मा, प्रवीण कुमार, देवेंद्र मीणा, यूनियन बैंक के सारंग ए. झंझाड़, दीनदयाल केड़िया, डीसीसीआई के नितेंद्र सिंह थे।

केंद्रीय मंत्री ने किया उत्साहवर्धन

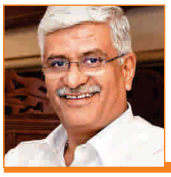

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत
केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री

श्रीमती प्रतिभा भौमिक, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने ३० सितंबर को फिल्ड क्लब मैदान पर पहुंच कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और प्लेयर ऑफ द मैच को पुरस्कृत किया। उन्होंने नारायण सेवा संस्थान की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए कहा कि उनकी माताजी अपने जीवन काल में इसकी सेवाओं से जुड़ी रहीं।

इसी तरह 5 अक्टूबर को केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री श्रीमती प्रतिभा भौमिक ने पंजाब और बंगाल की टीमों के बीच मैच को देखा और मैन ऑफ मैच को पुरस्कृत किया। उन्होंने कहा कि दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए उनका विभाग अधिक से अधिक सुविधाएं उपलब्ध कराएगा।

जम्मू -कश्मीर का कब्जा बरकरार

चैंपियनशिप पर गत विजेता जम्मू कश्मीर ने अपना कब्जा बरकरार रखा। उसे मुख्य अतिथि डीआईजी (सीआईडी) अजय सिंह राठौड़ ने 5 लाख का जबकि उपविजेता मुंबई टीम को 3 लाख का चेक प्रदान किया। जम्मू-कश्मीर के ही वसीम इकबाल को मैन ऑफ द सीरीज के लिए स्कूटी प्रदान की गई।

समापन समारोह में संस्थान संस्थापक श्री कैलाश जी मानव, कमला देवी जी व अन्य अतिथियों ने बेस्ट खिलाडियों, सहयोगी संस्थाओं व संस्थान के कार्यकर्ताओं को भी सम्मानित किया। डीसीसीआई की ओर से संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशान्त भैया व निदेशक वन्दना जी का विशेष सम्मान किया गया। संस्थान ने राजस्थान रॉयल्स के बिजनेस ऑफिसर आलोक चित्रे, स्वयं संस्थान दिल्ली के प्रोग्राम मैनेजर श्री भूपेंद्र सिंह का अभिनंदन किया। स्वयं संस्थान के सौजन्य से इस चैंपियनशिप के सभी मैन ऑफ द मैच को 11000 -11000 की राशि प्रदान की गई।

क्रिकेट कुंभ के अतिथि: इस क्रिकेट चैंपियनशिप के दौरान जिन अतिथियों ने मैन ऑफ द मैच के पुरस्कार प्रदान किए। वे इस प्रकार हैं -

उपमहापौर पारस सिंघवी, भाजपा शहर अध्यक्ष रवींद्र श्रीमाली, विधायक फूलसिंह मीणा, हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष सुरेंद्र अग्रवाल, लोढ़ा एंड संस के अर्पित लोढ़ा, विजय अरोड़ा,नानालाल नागदा उपसरपंच, डबोक थानाधिकारी चैलसिंह, जगदेवसिंह भाटी, राजेन्द्र कुमार कमांडिंग आफिसर एनसीसी, अनिल कुमार, विकास अग्रवाल, प्रदीप श्रीमाली, सुरेन्द्र सलूजा, त्रिलोचन सिंह, अंजली, हार्दिक टांक, स्वयं संस्थान दिल्ली की अविका अंतल, रविकांत चौहान, किशन सिंह देवड़ा, देवस्थान सहायक आयुक्त जतिन गांधी, विप्र सेना प्रदेश अध्यक्ष गोविंद दीक्षित, रेखा ऊंटवाल, ललित सैन,नरेश मेघवाल, डॉ. अजीत कुमार, कुलदीप सिंह शक्तावत, कानाराम, पंकज गुप्ता, सुरेश गुप्ता, देवेंद्र सिंह, करणीदान, भूपेंद्र सिंह, सरस डेयरी के महेश पालीवाल,अंतर्राष्ट्रीय स्कोरर मनोज भटनागर, राजकुमार, अखिलेश अग्रवाल, दिलीप कुमार, महेंद्र सिंह,डिप्टी कमांडो CISF सुभाष सामोता,मनीष जैन,प्रतीक कुमार,संकेत कुमार, कैलाश डांगी, धीरज जैन, राजेश खुराना, सचिव जिला विधिक प्राधिकरण कुलदीप शर्मा, नितिन कुमार, जिला परिषद मावली बसंती कालरा, विक्रम सिंह, जीवन सिंह, कुलदीप सिंह, ओम प्रकाश, दिग्पाल सिंह, अर्जुनलाल, अजय कुमार, रामलाल,राकेश बजाज, जगदीश अहीर, अजीज बोहरा, कुशनारायण नागदा,सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के उपनिदेशक गौरीकांत शर्मा, विजय गायकवाड़ व आफताब आलम।

ये बने मैन ऑफ द मैच -

जम्मू-कश्मीर- वसीम इकबाल, मुम्बई - एंसन मचाडो,कर्नाटक -संभाजी तरसे, विदर्भ - इरशाद खान, देहली - पंकज दिली, तमिलनाडु - शानमुगम, महाराष्ट्र -सहदेव, चंडीगढ़ - अंशुल, जम्मू

-कश्मीर- माजिद,हरियाणा - सन्नी,महाराष्ट्र - स्वप्निल मुंगेल,विदर्भ- सचिन हरिश्चंद्र,हिमाचल - ऋतु जयसवाल,मुम्बई - विक्रांत केनी,चंडीगढ़ - मोहम्मद सदिक,राजस्थान - जसवंत सिंह,गुजरात - सरफराज, हिमाचल - अजय कुमार, विदर्भ - सारंग, हरियाणा - अनिल, हैट्रिक लेने वाले जम्मू के आमिर, गुजरात - रोहन वाघेला ,कर्नाटक -विजय हाड़िमानी,बंगाल - जयेश परमार,यूपी - राधिका प्रसाद,तमिलनाडु - पी विक्टर,उड़ीसा- प्रफुल तराई,जम्मू - निखिल मन्हास, हरियाणा -पवन कुमार, एमपी - गोपाल, विदर्भ - सचिन हरिश्चंद्र,हैदराबाद - श्रीनिवास नायक, मुंबई - रविंद्र संते,उड़ीसा के बलराम बस्ती, गुजरात - मुख्तार बिहारी,एमपी - योगेंद्र, विदर्भ -अर्जुन वैद्य,हिमाचल -अंकित, पंजाब-गुरदीप सिंह काले,पंजाब - बूटा शर्मा, हिमाचल -अंकित,, बिहार- असित, आंध्र- गणेश, महाराष्ट्र- आकाश, गुजरात- केवल पटेल,जम्मू -जफर भट,मुंबई - आकाश पाटिल, विदर्भ - लोकेश,महाराष्ट्र - रविंद्र।

मैन ऑफ द सीरीज - जम्मू कश्मीर के वसीम इकबाल को स्कूटी प्रदान की गई।

अन्य विजेता - बेस्ट बॉलर-रविंद्र संते, बेस्ट फील्डर-आकाश पाटिल, बेस्ट बैट्समैन-रोहन (तीनों मुंबई के) बेस्ट विकेट कीपर-विदर्भ के लोकेश रहे। सेमीफाइनल क्वालीफाई करने वाली महाराष्ट्र और विदर्भ टीम को भी 1-1 लाख रुपए का पुरस्कार दिया गया।

गोवा में हुआ ट्रॉफी अनावरण

थर्ड नेशनल फिजिकल डिसेबिलिटी टी-20 क्रिकेट चैंपियनशिप 2023 की ट्रॉफी का अनावरण गोवा में किया गया। अनावरण बीसीसीआई अध्यक्ष श्री रोजर बिन्नी व सचिव जयशाह के सानिध्य में हुआ। इस अवसर पर बीसीसीआई उपाध्यक्ष श्री राजीव शुक्ला, डीसीआई सचिव श्री रविकांत चौहान व संयुक्त सचिव श्री अभय प्रताप सिंह राठौड़ भी मौजूद थे।

नि:शक्त हुए सशक्त

व्हीलचेयर,ट्राई साईकिल,श्रवण यंत्र,बैशाखी का वितरण, ऑपरेशन चयन 1689 लाभान्वित व नारायण लिम्ब (कृत्रिम हाथ-पांव) व कैलिपर के लिए पी एंड ओ ने लिए माप

बिर्तामोड़ झापा – पड़ौसी राष्ट्र नेपाल में बिर्तामोड़ झापा के अग्रसेन भवन में 8 सितम्बर को मारवाड़ी युवा मंच के सहयोग से सम्पन्न शिविर में 75 दिव्यांगजन के कृत्रिम अंग व 4 के कैलिपर बनाने का माप पीएंडओ डॉ. अखिल भास्कर उपाध्याय और उनकी टीम ने लिया। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय मारवाड़ी युवा संगठन के उपाध्यक्ष श्री गोपाल अग्रवाल थे। अध्यक्षता श्री विकास अग्रवाल ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री टेकेन्द्र अग्रवाल, रिषभ मित्तल, पवन शर्मा, नवीन गोयल व प्रकाश शिवकोठी थे। अतिथियों का स्वागत प्रभारी हरिप्रसाद लढ्ढा ने व धन्यवाद ज्ञापन भवर सिंह राठौड़ ने किया।

मंड्या – कर्नाटक के मंड्या शहर में 8 सितम्बर को गुड़मंडी मार्केट सभागार में श्रीरामचन्द्र जी डोंगरे जी महाराज चेरिटेबल ट्रस्ट के सौजन्य से सम्पन्न शिविर में कुल 189 दिव्यांगजन को लाभान्वित किया गया। इनमें से 143 के लिए 149 कृत्रिम अंग व एक के कैलिपर का माप पीएंडओ डॉ. अंकिता व उनकी टीम ने लिया। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक श्री आत्मानंद जैन थे। अध्यक्षता जैन समाज संघ के अध्यक्ष श्री अशोक जैन ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री महेशचन्द्र, नरेंद्र दक, उत्तमचंद जैन, कमलेश गोगारु व राकेश मोदी थे। शिविर प्रभारी मुकेश शर्मा ने अतिथियों का सम्मान व संयोजन महेन्द्र सिंह रावत ने किया।

कानपुर – महाराजा श्री अग्रसेन भवन, कानपुर (उप्र) में 10 सितम्बर को अग्रवाल समाज, किदवई नगर के सहयोग से शिविर सम्पन्न हुआ, जिसमें पीएंडओ डॉ. रामनाथ ठाकुर ने 121 दिव्यांगजन की जाँच कर 50 कृत्रिम अंग, 56 का कैलिपर व 15 दिव्यांग का सुधारात्मक सर्जरी के लिए चयन किया। शिविर प्रभारी अखिलेश अग्निहोत्री ने मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री श्री राजेश सचान सहित अन्य अतिथियों का स्वागत -सम्मान किया। अध्यक्षता अग्रवाल समाज अध्यक्ष श्री प्रमोद दादू ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री जितेंद्र अग्रवाल, गिरीश किशोर,मोनू सिंह, बालकृष्ण देवड़ा व राधेश्याम अग्रवाल थे।

लहान – मारवाड़ी सेवा सदन, लहान जिला सिरहा नेपाल में 10 सितम्बर को हुए नारायण लिम्ब

माप शिविर में 183 दिव्यांगजन की जांच डॉ. अखिल भास्कर उपाध्याय और उनकी टीम ने कर 144 का कृत्रिम अंग व कैलिपर (हाथ-पैर) बनाने का माप लिया। मुख्य अतिथि मारवाड़ी युवा मंच, लहान के अध्यक्ष श्री राहुल सारदा थे। अध्यक्षता श्री चेतन मुरारका ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री रुपेश खेतान, विवेक अग्रवाल, सुनील सिंघाची, संजय अग्रवाल, राहुल सिंघानिया, मौसम बजाज व होमेश काबरा थे। अतिथियों का सम्मान मेवाड़ की पाग व श्रीनाथ जी के उपरणा से किया गया।

अनुपगढ़ – अनुपगढ़ (राजस्थान) में 17 सितम्बर को भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री नक्षत्र सिंह रमाणा के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न शिविर में 186 दिव्यांगजन की जांच कर 22 के लिए कृत्रिम अंग व 36 के लिए कैलिपर बनाने का माप लिया गया। अध्यक्षता श्री अविनाश डाबी ने की। अतिथियों का स्वागत-सम्मान शिविर प्रभारी मुकेश शर्मा व मथुरा आश्रम प्रभारी नवनीत सिंह ने किया। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री सुभाष प्रजापत, मनोज जोशी, रतनलाल सारावत, श्रीमती नैना डाबी, श्रीमती माया प्रजापत, दिलीप सिंह व जनरैल सिंह जम्मू थे। शिविर का आयोजन श्री अविनाश डाबी परिवार ब्राह्मण महासभा व परमार्थ पारायण संस्थान के सौजन्य से सम्पन्न हुआ।

अलीगढ़ – सासनी गेट अलीगढ़ (उप्र) स्थित ज्ञान गेस्ट हाउस में 24 सितम्बर को सम्पन्न दिव्यांग जांच, ऑपरेशन चयन एवं नारायण लिम्ब-कैलिपर माप शिविर में 94 दिव्यांगजन की जांच कर पीएंडओ डॉ. रामनाथ ठाकुर व उनकी टीम ने 43 कृत्रिम अंग व 31 कैलिपर बनाने का माप लेने के साथ ही निःशुल्क सर्जरी के लिए 6 दिव्यांगजन का चयन किया। श्री अग्रवाल युवा संगठन के सौजन्य से सम्पन्न शिविर में मुख्य अतिथि नेपच्युन इंटरनेशनल के आर.के. जिंदल थे। अध्यक्षता श्री राजीव अग्रवाल ने की। अतिथियों का स्वागत - सम्मान शिविर प्रभारी अखिलेश अग्निहोत्री व अलीगढ़ आश्रम प्रभारी योगेश निगम ने किया। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री नवीन अग्रवाल, सक्षत्र गोयल, डॉ. प्रशान्त अग्रवाल, विवेक अग्रवाल, राहुल गर्ग, प्रितेश अग्रवाल व आकाश गर्ग थे।

सागर – बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज परिसर, सागर (मप्र) में क्षेत्रीय विधायक श्री शैलेंद्र जी जैन के संयोजन से 24 सितंबर को संपन्न शिविर में 66 दिव्यांगजन को 70 कृत्रिम अंग और 25 को 44 कैलिपर का वितरण किया गया। विशिष्ट अतिथि रोटरी चयरमैन श्री मुकेश शाह, अभिषेक जैन, श्रीकांत त्रिपाठी व भगवान दास केवट थे।

बिलारी – पीड़ाखेड़ा मंदिर परिसर, बिलारी (उप्र) में 26 सितंबर को विशाल निःशुल्क दिव्यांग जांच, नारायण लिंब, कैलीपर माप एवं उपकरण वितरण शिविर में उपस्थित 149 दिव्यांगजन में से 15 ट्राईसाइकिल व 12 को व्हीलचेयर का वितरण किया गया। जबकि 12 का निशुल्क ऑपरेशन के लिए चयन हुआ। शिविर प्रभारी लाल सिंह भाटी ने बताया कि 22 दिव्यांगजन के लिए कृत्रिम अंग व 30 के कैलीपर बनाने का माप लिया गया। मुख्य अतिथि श्री योगेंद्र जी चौहान थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में सर्वश्री ओम प्रकाश शास्त्री, रामवीर सिंह, रामकिशोर लोधी, नवजीत यादव व परमेश्वर लाल सैनी थे।

भदसाना – महर्षि दयानंद सरस्वती लॉ कॉलेज, मुरादाबाद (उप्र) में 28 सितंबर को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग कार्यवाह श्री योगेंद्र जी चौहान के मुख्य आथित्य एवं श्री योगराज सिंह की अध्यक्षता में संपन्न शिविर में डॉ. अखिल भास्कर उपाध्याय ने कुल पंजीकृत 215 दिव्यांगजन जांच की। इनमें से 33 को कैलीपर,15 ट्राईसाईकिल 3 को व्हीलचेयर व 15 को बैसाखी का वितरण किया गया। 6 दिव्यांगजन पोलियो सुधारात्मक सर्जरी के लिए चयनित किए गए। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री डॉ. रामवीर सिंह यादव, डॉ. नवनीत यादव, रामकिशोर सैनी व सोमपाल थे।

वृंदावन – श्रीरामचंद्र डोंगरेजी महाराज चैरिटेबल ट्रस्ट वृंदावन के सौजन्य से यादव भवन, रूकमणि विहार में 27 सितंबर को सम्पन्न शिविर में 64 दिव्यांगजन में से 40 के कृत्रिम अंग, 24 को कैलीपर पहनाए गए। फिटमेंट का कार्य डॉ. अश्विनी शर्मा के निर्देशन में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि की ट्रस्टी श्री महेश यादव व विशिष्ट अतिथि सर्वश्री हरिओम शर्मा, मनोज चौधरी, गोविंद सिंह व दिलीप चौधरी थे। संयोजन मथुरा आश्रम प्रभारी नवनीत सिंह चौहान ने किया।

सिहरीमाला – पं.राम सहाय मेमोरियल पब्लिक स्कूल, सिहरीमाला, बिलारी (उप्र) में 30 सितंबर को संपन्न शिविर में 150 दिव्यांगजन की जांच कर 31 के कैलीपर व 19 के कृत्रिम अंग (हाथ -पैर) बनाने का माप लिया गया। सर्जरी के लिए 8 का चयन हुआ। अतिथियों ने 15 को ट्राईसाइकिल, 5 को व्हीलचेयर व 16 दिव्यांगजन को बैसाखी जोड़ी प्रदान की। मुख्य अतिथि मुरादाबाद के पूर्व विधायक (एमएलसी) श्री परमेश्वर लाल सैनी थे। अध्यक्षता श्री गौरव ठाकुर ने की। विशिष्ट अतिथि श्री अभिषेक सिंह और राम किशोर सिंह थे।

501 दिव्यांग कन्याओं का पूजन

संस्थान के लियों का गुड़ा (बड़ी) स्थित सेवामहातीर्थ परिसर में 22 अक्टूबर को दुर्गाष्टमी पर 501 कन्याओं का महापूजन मातृशक्ति के नौ रूपों की वंदना के साथ उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। अनुष्ठान के मुख्य अतिथि नगर निगम आयुक्त श्री वासुदेव जी मालावत एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के उप निदेशक डॉ. पंकज जी गौड़, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की हिरण मगरी सेक्टर - 4 मुख्य शाखा प्रबंधक अंकित शर्मा, वरिष्ठ प्रबंधक पंखुरी पूरवार थी। संस्थान संस्थापक पूज्य कैलाश जी 'मानव' ने अतिथियों का स्वागत किया। राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखंड, महाराष्ट्र, बिहार, उत्तर प्रदेश, प. बंगाल आदि राज्यों से आई पूजित कन्याओं की दिव्यांगता सुधारात्मक शल्य चिकित्सा नवरात्रि के दौरान संस्थान में ही की गई। माता दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा के साथ बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, उनके सशक्तिकरण व समृद्धि का संदेश दिया गया। निदेशक वंदना जी अग्रवाल ने सजे-धजे पांडाल में कन्याओं को विशेष आसन पर विराजित कर लाल चुनर ओढ़ाई। हलवा, पूरी, चना का नैवेद्य परोस कर श्रृंगार सामग्री व उपहार सामग्री भेंट की गई। महापूजन के दौरान गुरूकुल एवं नारायण चिल्ड्रन एकेडमी के बच्चों ने गौरीनन्दिनी नृत्य की प्रस्तुति दी। अनुष्ठान में सहसंस्थापिका कमला देवी जी, ट्रस्टी देवेंद्र जी चौबीसा, राजेंद्र जी गर्ग, प्राचार्या अर्चना जी गोवलकर, विष्णु जी शर्मा हितैषी, भगवान प्रसाद जी गौड़, रजत जी गौड़, अम्बालाल जी श्रोत्रिय, जितेंद्र जी गौड़, राकेश जी शर्मा, नरेन्द्र जी चौहान, दिलीप जी, सुन्दर जी वैष्णव, गोपेश जी शर्मा, पं. उपेन्द्र जी चौबीसा, अनिल जी आचार्य एवं बड़ी संख्या में शहरवासियों और देश के विभिन्न क्षेत्रों से सेवा यात्रा पर पधारे समाजसेवी बंधुओं ने कन्याओं की महाआरती की। संयोजन महिम जी जैन ने किया। सेवायात्रियों ने संध्या समय श्रीनाथजी (नाथद्वारा) की आरती दर्शन किए।

आदिवासी क्षेत्रों में पहुंचे अन्न-वस्त्र

झीनी झीनी रोशनी

नारायण सेवा संस्थान के संस्थापक चेयरमैन पूज्य गुरूदेव श्री कैलाश जी 'मानव' का सेवा संस्कारों से प्रेषित जीवन समाज के लिए अनुकरणीय है। श्री कैलाश जी के निकट रहे वरिष्ठ पत्रकार श्री सुरेश गोयल ने उनके जीवन-वृत को 'झीनी-झीनी रोशनी' पुस्तक में प्रस्तुत किया है।

यदि कोई काम सबके सामने नहीं कर सकते इसका मतलब तुम स्वयं मानते हो कि यह काम उचित नहीं। उसके पास इन बातों का कोई जवाब नहीं था। उसने हाथ जोड़ लिए और कहने लगा-क्या करूं साहब। बरसों की आदत पड़ी हुई है मगर आज दिन तक किसी ने मुझे इस तरह समझाया भी नहीं जिस तरह आप समझा रहे हैं। मैं अब धीरे-धीरे यह गंदी आदत छोड़ दूंगा.....बात आई-गई हो गई। हफ्ता भर गुजर गया। एक दिन अर्दली मानव जी के पास आया और बोला-साहब! आपने जिस दिन बीड़ी पीने से मना किया था, उसके बाद से मैने बीड़ी पीना आधा कर दिया। पहले रोज दो बंडल पीया करता था, अब एक बंडल ही पीता हूं, धीरे-धीरे यह भी बंद हो जायेगा। कैलाश जी के आश्चर्य का ठिकाना नहीं था, उन्होंने तो ओवरसियर को बीड़ी पीने से मना किया था, अर्दली को नहीं। वह मन ही मन सोचने लगे कि वह अर्दली और ओवरसियर के बीच भ्रमित तो नहीं हो गए, कहीं मैंने अर्दली को तो नहीं कहा था? पर उस दिन की घटना अच्छी तरह से याद थी, अर्दली को तो सीट से उठाकर ओवरसियर को अपने पास बिठाया था। कैलाश जी को अपनी बात पर यकीन हो गया अर्दली बोला-आपने ओवरसियर को कहा था मगर मैं भी सब सुन रहा था, आप हमारे अच्छे के लिए ही तो कह रहे थे।

मानव जी बहुत प्रसन्न हुए। उन्होंने सीख किसे दी और लग किसे गई। कई लोग अपने काम से काम रखते हैं और दूसरों के मामलों में नहीं पड़ते। लेकिन उनकी ऐसी आदत नहीं थी। उन्हें कुछ भी महसूस होता था तो अपनी बात प्रगट कर देते थे, इसी का लाभ यह हुआ कि ओवरसियर ने बीड़ी छोड़ी या न छोड़ी अर्दली ने छोड़ना जरूर शुरू कर दिया। इस घटना से मानव जी का स्वयं की विचारधारा व कार्यों पर विश्वास बढ़ गया। किसी भी प्रकार के संकल्प की पूर्ति में आत्मविश्वास होना पहली आवश्यकता है।

भारत व भारत के बाहर संचालित संस्थान की शाखाएं

राजस्थान

पाली
श्री कान्तिलाल मूथा,07014349307
31, गुलजार चौक, पाली मारवाड़

श्री मनोज कुमार मेहता,
मो.-09468901402
मकान नं. 5डी-64, हाउसिंग बोर्ड जोधपुर रोड के पास, पानी की टंकी, पाली

भीलवाड़ा
श्री शिव नारायण अग्रवाल
09829769960 C/o नीलकण्ठ पेपर स्टोर, L.N.T. रोड़, भीलवाड़ा-311001

बहरोड़
डॉ. अरविन्द गोस्वामी,09887488363
'गोस्वामी सदन' पुराने हॉस्पीटल के सामने बहरोड़, अलवर (राज.)

श्री भुवनेश रोहिल्ला,मो. 8952859514,
लेडिज फैशन पोईन्ट, न्यू बस स्टैण्ड के सामने यादव धर्मशाला के पास, बहरोड़, अलवर

अलवर
श्री आर.एस. वर्मा, 07300227428
के.वी. पब्लिक स्कूल,
35 लादिया,बाग अलवर

जयपुर
श्री नन्द किशोर बत्रा,09828242497
5-C, उन्नति एन्क्लेव, शिवपुरी, कालवाड़ रोड़,झोटवाड़ा, जयपुर 302012

अजमेर
श्री सत्य नारायण कुमावत,09166190962
कुमावत कॉलोनी, आर्य समाज के पीछे, मदनगंज,किशनगढ़, अजमेर

बूंदी
श्री गिरिधर गोपाल गुप्ता,09829960811,
ए.14, 'गिरधर-धाम', न्यू मानसरोवर कॉलोनी, चित्तौड़ रोड़, बून्दी

झारखण्ड

हजारीबाग
श्री डूंगरमल जैन,मो.-09113733141
C/o पारस फूड्स, अखण्ड ज्योति ज्ञान केन्द्र, मेन रोड़ सदर थाना गली, हजारीबाग

श्री भगवानदास गुप्ता-09234894171
07677373093 गांव-नापो खुर्द,पो.-गोसाई बलिया,जिला-हजारीबाग

रामगढ़
श्री जोगिन्दर सिंह जग्गी,मो. 7992262641
44ए, छोटकी मुरीम, नजदीक उमा इन्सीट्यूट राजीव सिनेमा रोड़, बिजुलिया, रामगढ़

धनबाद
श्री गोपाल कुमार,
9430348333, आजाद नगर, भूलीनगर

गोवा

गोवा
श्री अमृत लाल दोषी,मो. 07798917888
'दोषी निवास' जैन मन्दिर के पास, पजीफोन्ड, मडगांव गोवा-403601

मध्य प्रदेश

उज्जैन
श्री गुलाब सिंह चौहान
मो. 09981738805, गाँव एवं
पो. इन्गोरिया, उज्जैन 456222

रतलाम
श्री चन्द्र पाल गुप्ता
मो. 9752492233,मकान नं. 344,
काटजूनगर, रतलाम

जबलपुर
श्री आर. के. तिवारी,मो. 9926660739
मकान नं. 133, गली नं. 2, समदड़िया ग्रीन सिटी,माढ़ोताल, जिला - जबलपुर

मन्दसौर
श्री मनोहर सिंह देवड़ा
मो. 9753810864,म.नं. 153, वार्ड नं. 6,
ग्राम-गुराड़िया,पोस्ट-गुराड़ियादेदा,
जिला - मन्दसौर

भोपाल
श्री विष्णु शरण सक्सेना
मो. 09425050136, ए-3/302, विष्णु हाईटेक सिटी, अहमदपुर
रेल्वे क्रोसिंग के सामने, बावड़िया कलाँ, होशंगाबाद रोड़ जिला - भोपाल

बखतगढ़
श्री सुरेन्द्र सिंह सोलंकी,08989609714,
बखतगढ, त.-बदनावर,जि.-धार

हरियाणा

कैथल
डॉ. विवेक गर्ग,मो. 9996990807,गर्ग मनोरोग एवं दांतो का हस्पताल के अन्दर पद्मा मॉल के सामने करनाल रोड़, कैथल

श्री सतपाल मंगला
मो. 09812003662-3
68-ए, नई अनाज मंडी, कैथल

सिरसा
श्री सतीश मेहता मो. 9728300055
म.न.-705, से.-20,पार्ट-द्वितीय,सिरसा

जुलाना मण्डी
श्री मनोज जिन्दल मो. 9813707878,108
अनाज मण्डी, जुलाना,जींद

पलवल
श्री वीर सिंह चौहान मो.9991500251
विला नं. 228, ओमेक्स सिटी,
सेक्टर-14, पलवल

फरीदाबाद
श्री नवल किशोर गुप्ता
मो. 09873722657, कश्मीर स्टेशनरी स्टोर, दुकान नं. 1डी/12,
एन.आई.टी., फरीदाबाद, हरियाणा

करनाल
श्री सतीश शर्मा,मो. 09416121278
म.नं. 886, सेक्टर-7, अरबन एस्टेट करनाल

अम्बाला
श्री मुकुट बिहारी कपूर,मो. 08929930548
मकान नं.- 3791, ओल्ड सब्जी मण्डी, अम्बाला केन्ट-133001

श्रीमान अजीत कुमार जी
शास्त्री (क्लॉथ मर्चेन्ट)
9416367996
चन्द्रभान वाली गली, गांव व
पोस्ट-शहजादपुर
तहसील-नारायणगढ़
जिला-अम्बाला-134202

नरवाना
श्री राजेन्द्र पाल गर्ग
मो. 09728941014
165-हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी,
नरवाना, जीन्द

महाराष्ट्र

आकोला
श्री हरिश जी, मो.नं. - 9422939767
आकोट मोटर स्टेण्ड, आकोला

परभणी
श्रीमती मंजु दरड़ा-मो. 09422876343

नांदेड़
श्री विनोद लिंबा राठोड,07719966739
जय भवानी पेट्रोलियम,मु. पो. सारखानी, किनवट, जिला - नांदेड़

पाचोरा
श्री सीताराम जी-मो. 9422775375

मुम्बई
श्रीमती रानी दुलानी,न.-028847991
9029643708,10-बी/बी, वाईसराय पार्क,ठाकुर विलेज कान्दीवली,मुम्बई

श्री प्रेम सागर गुप्ता ,मो. 9323101733
सी-5, राजविला, बी.पी.एस. 2
क्रोस रोड़,वेस्ट मुलुंड, मुम्बई

भायंदर
श्री कमलचंद लोढा, मो. 8080083655
ए/103, 'देव आंगन' जैन मन्दिर रोड़ बावन जिनालय मन्दिर के पास, भायंदर (पश्चिम) ठाणे-401101

बोरीवली
श्री प्रवीण भाई गिरधर भाई परमार
मो. 9869534173
फ्लेट नं. 708, क्वार्टर रोड नं. 5
श्री अम्बे सोसायटी, रायडूंगरी, बी-विंग बोरीवली (ई.) 400066

हिमाचल प्रदेश

हमीरपुर
श्री ज्ञानचन्द शर्मा,मो. 09418419030
गाँव व पोस्ट - बिघरी, त. बदसर
जिला हमीरपुर - 176040

श्री रसील सिंह मनकोटिया
मो. 09418061161, जामलीधाम,
पोस्ट-रोपा, जिला-हमीरपुर-177001

गुजरात

अहमदाबाद
श्री योगेन्द्र प्रताप राघव,मो. 09274595349
म.नं.: बी-77, गोल्डन बंगलो, नाना चिलोड़ा, अहमदाबाद

उत्तर प्रदेश

बरेली
श्री कुंवरपाल सिंह पुंढीर
मो. 9458681074,विकास पब्लिक स्कूल के पीछे, स्वरूप नगर (चहवाई) जिला-बरेली

श्री विजय नारायण शुक्ला
मो. 7060909449,मकान नं.22/10,
सी.बी.गंज, लेबर इण्डस्टीयल कॉलोनी बरेली

भदोही
श्री अनूप कुमार बरनवाल,
मो.7668765141,शिव मन्दिर के पास, मैन मार्केट, खमरिया,
जिला भदोही, 221306

हाथरस
श्री दास बृजेन्द्र,मो.-09720890047
दीनकुटी सत्संग भवन,सादाबाद

हापुड़
श्री मनोज कंसल मो.-09927001112,
डिलाइट टैन्ट हाऊस,कबाड़ी बाजार,हापुड़

गजरौला, अमरोहा
श्री अजय एवं श्रीमती आरती शर्मा
मो.-08791269705
बांके बिहारी सदन, कालरा स्टेट,
गजरौला, अमरोहा-244235

छत्तीसगढ़

दीपका, कोरबा
श्री सूरजमल अग्रवाल,मो. 09425536801

श्री देवनाथ साहू,मो. 09229429407
गांव- बेला कछार, मु.पो. बालको नगर, जिला-कोरबा

बिलासपुर
डॉ. योगेश गुप्ता,मो.-09827954009
श्रीमन्दिर के पास, रिंग रोड़ नं. 2,
शान्ति नगर, बिलासपुर

बालोद
श्री बाबूलाल संजयकुमार जैन
मो. 9425525000,रामदेव चौक
बालोद, जिला-बालोद

जम्मू/कश्मीर

जम्मू
श्री जगदीश राज गुप्ता,मो. 09419200395
गुरू आशीर्वाद कुटीर, 52-सी
अपर शिव शक्ति नगर जम्मु-180001

डोडा
श्री विक्रम सिंह व नीलम जी कोतवाल
मो. 09419175813, 08082024587
ग्वाड़ी, उदराना, त. भद्रवा, डोडा

दिल्ली

शाहदरा
श्री विशाल अरोड़ा-8447154011
श्रीमान रविशंकर जी अरोड़ा-9810774473
मैसर्स शालीमार ड्राइक्लीनर्स
IV/1461 गली नं. 2 शालीमार पार्क,
D.C.B. ऑफिस के पास,शाहदरा

नारायण दिव्यांग सहायता केन्द्र

महाराष्ट्र

मुम्बई
07073452174, 09529920088
07073474438, मकान नं. 06/103, ग्राउण्ड फ्लोर, ओम मणिकांत सी.एच.एस., लिमिटेड शास्त्री नगर, रोड-1, गोरेगांव पश्चिम मुम्बई-400104

पूणे
09529920093
17/153 मेन रोड, गणेश सुपर मार्केट गोखले नगर, पूणे-16

राजस्थान

जोधपुर
08306004821
जूनी बागर, महामन्दिर जोधपुर (राज) 342001

कोटा
07023101172
नारायण सेवा संस्थान, मकान नं.2-बी-5 तलवंडी, कोटा (राज.) 324005

मध्य प्रदेश

ग्वालियर
07412060406, 41 ए ,न्यू शांति नगर, त्रिवेदी नर्सिंग होम के पीछे,नई सडक, लश्कर,ग्वालियर 474001

हरियाणा

चण्डीगढ़
070734 52176
म.नं.-3658,सेक्टर-46/सी,चण्डीगढ़

गुरूग्राम
08306004802, हाउस नं.-1936 जीए,गली नं.-10,राजीव नगर ईस्ट, माता रोड़, सी.आर.पी.एफ. केम्प चौक,गुरुग्राम -122001

हिसार
7727868019,मकान न. 2249, सेक्टर-14,हिसार 125005

वेस्ट बंगाल

कोलकाता
09529920097,मकान नं.- 216, बांगुर एवेन्यू, ब्लॉक-बी, ग्राउण्ड फ्लोर, कोलकाता (पश्चिम बंगाल) पिन कोड-700055

पंजाब

लुधियाना
07023101153
50/30-ए, राम गली, नौरीमल बाग भारत नगर, लुधियाना (पंजाब)

उत्तर प्रदेश

प्रयागराज
09351230393, म.न . 78/बी, मोहत सिंह गंज, प्रयागराज -211003

मेरठ
08306004811, 38, श्री राम पैलेस, दिल्ली रोड,नियर सब्जी मंडी, माधव पुरम,मेरठ 250002

लखनऊ
09351230395
551/च/157 नियर केला गोदाम, डॉ. निगम के पास, जय प्रकाश नगर आलम बाग, लखनऊ

(कर्नाटक)

बेंगलुरू
09341200200,नारायण सेवा संस्थान 40 (12) प्रथम फ्लोर, मॉडल हाउस कॉलोनी, अपोजिट समना पार्क, एनआर कॉलोनी, बसवानगुड़ी, बेंगलुरु-560004

बिहार

पटना
मकान नं.-23, किताब भवन रोड नॉर्थ एस.के. पुरी, पटना-13

गुजरात

सूरत
09529920082,
27, सम्राट टाऊनशिप,सम्राट स्कूल के पास, परवत पाटीया, सूरत

वडोदरा
मो.: 9529920081 म. नं.: 1298, वैकुंठ समाज, श्री अम्बे स्कूल के पास, वाघोड़िया रोड, वडोदरा -390019

अहमदाबाद
मो.: 9529920080 म. नं.: बी 11, बसंत बहार फ्लेट, राजस्थान हॉस्पीटल के पीछे, शाहीबाग, अहमदाबाद 380004

दिल्ली

रोहिणी
08588835718, 08588835719
नारायण सेवा संस्थान,बी-4/232 ,शिव शक्ति मंदिर के पास,सेक्टर-8, रोहिणी, दिल्ली -110085

जनकपुरी, नई दिल्ली
07023101156, 7023101167
सी1/212, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

नारायण निःशुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर

दिल्ली

फतेहपुरी
08588835711
07073452155
6473 कटरा बरियान, अम्बर होटल के पास, फतेहपुरी,दिल्ली-6

शाहदरा
बी-85, ज्योति कॉलोनी, दुर्गापुरी चौक,शाहदरा, दिल्ली-32

उत्तर प्रदेश

हाथरस
07023101169
एलआईसी बिल्डिंग के नीचे, अलीगढ़ रोड, हाथरस

मथुरा
07023101163, नारायण सेवा संस्थान 68-डी, राधिका धाम के पास, कृष्णा नगर, मथुरा 281004

अलीगढ़
07023101169,एम.आई.जी. -48 विकास नगर, आगरा रोड़,अलीगढ़

मोदीनगर
आर्य समाज मंदिर, सीकरी पेट्रोल पम्प के पास, मोदी बाग के सामने मोदीनगर -201204

बरेली
बी-17, राजेन्द्र नगर, जिंगल बेल्स स्कूल के पास, बरेली

लोनी
09529920084
श्रीमती कृष्णा मेमोरियल नि:शुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर, 72 शिव विहार, लोनी बन्थला, चिरोड़ी रोड (मोक्षधाम मन्दिर) के पास लोनी, गाजियाबाद

गाजियाबाद
(1) 07073474435
184, सेठ गोपीमल धर्मशाला केलावालान, दिल्ली गेट गाजियाबाद
(2) 07073474435
श्रीमती शीला जैन नि:शुल्क फिजियोथेरेपी सेंटर,बी.-350 न्यू पंचवटी कॉलोनी, गाजियाबाद -201009

आगरा
07023101174
मकान नंबर 8/153 ई -3 न्यू लॉयर्स कॉलोनी,नियर पानी की टंकी के पीछे, आगरा -282003 (उ.प्र.)

राजस्थान

जयपुर
9529920089, बद्रीनारायण वैद फिजियोथेरेपी हॉस्पीटल एण्ड रिचर्स सेन्टर बी-50-51 सनराईज सिटी,मोक्ष मार्ग, निवारू झोटवाड़ा,जयपुर

प्लोट नं. डी-17, एफ-2, आदर्श रेजीडेंसी उमापथ, रामनगर, सोडाला, जयपुर
मो.नं.: 8696002432

गुजरात

अहमदाबाद
9529920080
ओ.बी. 3/27 गुजरात हाउसिंग बोर्ड खोडियार मंदिर, 4 रास्ता लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम रोड, बापूनगर, अहमदाबाद-24

राजकोट
09529920083, भगत सिंह गार्डन के सामने आकाशवाणी चौक, शिवशक्ति कॉलोनी, ब्लॉक नं. 15/2 युनिर्वसिटी रोड,राजकोट

तेलंगाना

हैदराबाद
09573938038,लीलावती भवन, 4-7-122/123 इसामिया बाजार, कोठी , संतोषी माता मंदिर के पास,हैदराबाद -500027

उत्तराखण्ड

देहरादून
07023101175, साईं लोक कॉलोनी, गांव कार्बरी ग्रांट,शिमला बाय पास रोड, देहरादून 248007

महाराष्ट्र

मुम्बई
09529920090,ओसवाल बगीची, आरएनटी पार्क,भायन्दर ईस्ट मुम्बई - 401105

मध्य प्रदेश

रतलाम
दत्ता कृपा महात्मा गांधी मार्ग, गली नम्बर-2 एचडीएफसी बैंक के पीछे, स्टेशन रोड, रतलाम - 457001 (म.प्र.)

इन्दौर
09529920087
12, चन्द्रलोक कॉलोनी खजराना रोड, इंदौर-452018

छत्तीसगढ़

रायपुर
07869916950,मीरा जी राव, म.नं.-29/500 टीवी टावर रोड, गली नं.-2, फेस-2 श्रीरामनगर,पो.-शंकरनगर,रायपुर,छ.ग.

हरियाणा

अम्बाला
07023101160,सविता शर्मा, 669, हाउसिंग बोर्ड कोलोनी अरबन स्टेट के पास, सेक्टर-7 अम्बाला

कैथल
09812003662,ग्राउंड फ्लोर, गर्ग मनोरोग एवं दांतों का हॉस्पिटल, नियर पदमा सिटी माल, करनाल रोड, कैथल

अपने परिजनों या स्वयं के जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ एवं पुण्यतिथि को बनाएं यादगार....

जन्मजात पोलियोग्रस्त दिव्यांगों के ऑपरेशनार्थ सहयोग राशि

ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि	ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि
501 ऑपरेशन के लिए	17,00,000 रू.	40 ऑपरेशन के लिए	17,00,000 रू.
401 ऑपरेशन के लिए	14,01,000 रू.	13 ऑपरेशन के लिए	14,01,000 रू.
301 ऑपरेशन के लिए	10,51,000 रू.	5 ऑपरेशन के लिए	10,51,000 रू.
201 ऑपरेशन के लिए	07,11,000 रू.	3 ऑपरेशन के लिए	07,11,000 रू.
101 ऑपरेशन के लिए	03,61,000 रू.	1 ऑपरेशन के लिए	03,61,000 रू.

निर्धन एवं दिव्यांगों को खिलाएं निवाला

आजीवन भोजन/नाश्ता सहयोग मिति (वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग एवं निर्धनों के लिए सहयोग हेतु मदद)	
नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि	37,000 रू.
दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि	30,000 रू.
एक समय के भोजन की सहयोग राशि	15,000 रू.
नाश्ता सहयोग राशि	7,000 रू.

दुर्घटनाग्रस्त एवं दिव्यांगों को दें कृत्रिम अंग का उपहार

वस्तु	एक नग सहयोग	तीन नग सहयोग	पांच नग सहयोग	ग्यारह नग सहयोग
तिपहिया साईकिल	5,000 रू.	15,000 रू.	25,000 रू.	55,000 रू.
व्हील चेयर	4,000 रू.	12,000 रू.	20,000 रू.	44,000 रू.
कैलिपर	2,000 रू.	6,000 रू.	10,000 रू.	22,000 रू.
वैशाखी	500 रू.	1,500 रू.	2,500 रू.	5,500 रू.
कृत्रिम अंग (हाथ–पैर)	5,000 रू.	15,000 रू.	25,000 रू.	55,000 रू.

गरीब को बनाएं आत्मनिर्भर

मोबाइल/कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रतिशक्षण सौजन्य राशि	
1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 7,500 रू.	3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 22,500 रू.
5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 37,500 रू.	10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 75,000 रू.
20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 1,50,000 रू.	30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 2,25,000 रू.

शिक्षा से वंचित आदिवासी बच्चों को शिक्षित करने मे करें मदद

एक बालक का 1 माह का शिक्षा सहयोग	1,100 रू.
एक बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	11,000 रू.
एक बालक का आजीवन पालनहार सहयोग (6 से 18 वर्ष)	1,00,000 रू.

Bank Name : State Bank of India
Account Name : Narayan Seva Sansthan
Account Number : 31505501196
IFSC Code : SBIN0011406
Branch : Hiran Magri, Sector No.4, Udaipur-313001

Donate via UPI

Google Pay PhonePe Paytm

narayanseva@sbi

अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान के नाम से संस्थान के खाते में जमा करवाकर हमें सूचित करें

नारायण महावीर प्राकृतिक चिकित्सालय

प्रकृति ही हमारी सच्ची स्वास्थ्य रक्षक है

भर्ती होने वाले रोगियों की दिनचर्या प्राकृतिक चिकित्सक के निर्देशानुसार निर्धारित होती है।

रोगी को उनकी स्वास्थ्य समस्याओं के अनुसार आहार चिकित्सा दी जाएगी। व आवास एवं भोजन की सुव्यवस्था।

राजस्थान का कश्मीर कही जाने वाली झीलों की नगरी उदयपुर से 15 कि.मी दूर अरावली पर्वतमाला की सुरम्य वादियों के आंचल में लियों का गुड़ा गांव स्थित नारायण सेवा संस्थान के सेवा महातीर्थ परिसर में नारायण महावीर प्राकृतिक चिकित्सालय असाध्य रोगों से ग्रस्त उन महानुभावों को आरोग्य प्रदान कर रहा है जो अन्य चिकित्सा पद्धतियों से निराश हो चुके थे तथा इन रोगों को अपनी नियती मानकर अभिशप्त जीवन जी रहे थे। ऐसे ही निराश महानुभावों को संस्थान में पधार कर स्वास्थ लाभ लेने का सादर आमंत्रण है।

नेचुरोपैथी के साथ योगा थेरेपी एवं एडवांस एक्यूपंक्चर थेरेपी भी उपलब्ध है।

Narayan Children Academy

A Unit of Narayan Seva Sansthan

नारायण चिल्ड्रन एकेडमी (अंग्रेजी माध्यम)

एक बालक का
1 माह का शिक्षा सहयोग
₹ 1,100

एक बालक का
1 वर्ष का शिक्षा सहयोग
₹ 11,000

गरीब एवं आदिवासी
बच्चों के जीवन में लाएं
उजाला

Donate via UPI
Google Pay PhonePe Paytm
narayanseva@sbi

Seva Soubhagya Print Date 1 November, 2023 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 24 (No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-